विषय . व्यावसायिक सन्नियम 1 पाठ्यक्रम का कोड 2 पाठ्यक्रम का शीर्षक 3 पाठ्यक्रम का मेजर -III प्रकार: 4 पूर्वपेक्षा (यदि कोई हो). पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम (क्र्यव) 5 विषय . व्यावसायिक सन्नियम शीर्षक 4 पाठ्यक्रम का मेजर -III प्रकाक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम (क्र्यव) 5 विषय अनुबंध के आवश्यक तत्वोंए अधिनियम के प्रतिफल और अनुबंध के आवश्यक तत्वोंए अधिनियम के प्रतिफल और अनुबंध के आवश्यक तत्वोंए अधिनियम के प्रतिफल और अनुबंध के निर्वहन के विभिन्न तरीकों को समझ • माल की विक्री और विक्री अनुबंध के निष्पादन तथा उपचारात्मक उपायों के संबंध में विभिन्न कानूनों कीव्याख्या • छात्रों को भारत में उपभोक्ता संरक्षण के संबंध में विभिन्न तराना। • साइवर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। 6 क्रेडिट मान 6 क्रेडिट मान 6 क्रेडिट मान 6 क्रुल अंक अधिकतम अंकः 30+70, न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः 35 कुल व्याख्यानों की संख्या 90 भाग व - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			भाग अ - परिचय		
1 पाठ्यक्रम का शीर्षक 3 पाठ्यक्रम का शीर्षक 3 पाठ्यक्रम का प्रकार: 4 पूर्वपेक्षा (यदि कोई हो). पाठ्यक्रम की परिलक्षियां (कोर्स लर्निंग आउटकम (क्स्य)) इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, छात्र निम्न में सक्षम होंगे : 5 इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, छात्र निम्न में सक्षम होंगे : 4 कोई हो). पाठ्यक्रम की परिलक्ष्यां (कोर्स लर्निंग आउटकम (क्स्य)) • छात्रों को सामान्य व्यावसायिक कानून के मुद्दों का व्यावहारिक कानूनों जान प्राप्त होगा । 9 एक वैध अनुबंध के आवश्यक तत्यों ए अधिनियम के प्रतिकृत के विक्रित्र तथां अधिनयम के प्रतिकृत के विक्रित्र तथां अधिनयम अपने के प्रतिकृत के निर्मन्न कानूनों के लिया विक्र अपने के स्वाया के स्वाया अपने के स्वयावसाया • छात्रों के भीरत विक्र अनुबंध में विभिन्न कराना। 9 कुल अंक अधिकतम अंकः 30+70, न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः 35 कुल व्याख्यानों की संख्या 90 भाग व - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु इकाई विषय भारतीय प्राचीन परंपरा में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन संबंधी नियम एवं राजकीय नियंत्रण की पृष्ठभूमि भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 : अनुबंध, अनुबंध के प्रकार, ठहराव-प्रस्ताव एवं स्वीकृति वैध अनुबंध के आवश्यक लक्षण, अनुबंधों की समामि, अनुबंध भंग के परिणाम। 1 गतिविधि - अनुबंध पत्र तैयार करना - जैसे- लीजिंग एग्रीमेंट, पार्टनरिंग एग्रीमेंट, या एनरिंए (प्रीमेंट, वा एनरिं	कार्यक्रम प्रमाण पत्र		कक्षा: बी.कॉम.: प्रथम वर्ष सत्रः 202	5-26	
2 पाठ्यक्रम का शीर्षक 3 पाठ्यक्रम का प्रकार: 4 पूर्वपेक्षा (यदि काई हो). पाठ्यक्रम की परिलिध्यियां (कोर्स लर्निंग आउटकम (कीर्म लर्निंग आउटकम (क्या) 5 प्रकार (क्या) 5 पाठ्यक्रम इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, छात्र निम्न में सक्षम होंगे : • छात्रों को सामान्य व्यावसायिक कानून के मुद्दों का व्यावहारिक कानूनी ज्ञान प्राप्त होगा । • एक वैध अनुबंध के आवश्यक तत्वोंए अधिनियम के प्रतिफल और अनुबंध के आवश्यक तत्वोंए अधिनियम के प्रतिफल और अनुबंध के निर्वहन के विभिन्न तरीकों को समझ • माल की विक्री और विक्री अनुबंध के निर्वहन के विभिन्न तरीकों को समझ • माल की विक्री और विभिन्न अपभोक्ता मंत्रों से परिचित कराना। • छात्रों को भारत में उपभोक्ता मंत्रों से परिचित कराना। • साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। 6 क्रेडिट मान 6 7 कुल अंक अधिकतम अंकः 30+70, न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः 35 कुल व्याख्यानों की संख्या 90 भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्सु इकाई विषय भारतीय प्राचीन परंपरा में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन संबंधी नियम एवं राजकीय नियंत्रण की पृष्ठभूमि भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 : अनुबंध, अनुबंध के प्रकार, ठहराव-प्रस्ताव एवं स्वीकृति वैध अनुबंध के आवश्यक लक्षण, अनुबंधों की समाप्ति, अनुबंध भंग के परिणाम। गतिविधि - अनुबंध पत्र तैयार करना - जैसे- लीजिंग एग्रीमेंट, पार्टनरिथप एग्रीमेंट, या एनडीए (नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट)। - इससे विद्यार्थिओं को कानूनी भाषा और			विषय . व्यावसायिक सन्नियम		
शीर्षक 3 पाठ्यक्रम का प्रकार: 4 पूर्वपक्षा (यदि कार्ड हो). पाठ्यक्रम की परिलब्धियां के सफल समापन पर, छात्र निम्न में सक्षम होंगे : श्रूष्ट कार्ड हो). पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां के सामान्य व्यावसायिक कानून के मुद्दों का व्यावहारिक कानूनी ज्ञान प्राप्त होगा । एक वैध अनुबंध के आवश्यक तत्वोंए अधिनियम के प्रतिफल और अनुबंध के आवश्यक तत्वोंए अधिनियम के प्रतिफल और अनुबंध के निर्मन्न तरीकों को समझ । माल की बिक्री और विक्री अनुबंध के निर्मन्न तरीकों को त्याख्या । हात्रों को भारत में उपभोक्ता संस्थण के संबंध में विभिन्न कराना। साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अधिकतम अंकः 30+70, त्यूनतम उत्तीर्ण अंकः 35 कुल व्याख्यानों की संख्या 90 भाग व - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु विषय भारतीय प्राचीन परंपरा में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन संबंधी नियम एवं राजकीय नियंत्रण की पृष्ठभूमि भारतीय अनुबंध अधिनयम 1872 : अनुबंध, अनुबंध के प्रकार, ठहराव-प्रस्ताव एवं स्वीकृति वैध अनुबंध के आवश्यक लक्षण, अनुबंधों की समाप्ति, अनुबंध भंग के परिणाम। गतिविधि - अनुबंध पत्र तैयार करना - जैसे- लीजिंग एग्रीमेंट, पार्टनरिणप एग्रीमेंट, या एनडीए (नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट)। - इससे विद्यार्थिओं को कानूनी भाषा और	1	पाठ्यक्रम का कोड			
पूर्वपक्षा (यदि कोई हो). पाठ्यक्रम अध्ययन की पित्लब्धियां (कोर्स लिंग आउटकम (अस्व) • छात्रों को सामान्य व्यावसायिक कानून के मुद्दों का व्यावहारिक कानूनी जान प्राप्त होगा । • एक वैध अनुबंध के आवश्यक तत्वोंए अधिनियम के प्रतिफल जीर अनुबंध के आवश्यक तत्वोंए अधिनियम के प्रतिफल जीर अनुबंध के आवश्यक तत्वोंए अधिनियम के प्रतिफल जीर अनुबंध के निर्वहन के विभिन्न तरीकों को समझ • माल की विक्री और विक्री अनुबंध के निष्पादन तथा उपचारात्मक उपायों के संबंध में विभिन्न कानूनों किव्याख्या • छात्रों को भारत में उपभोक्ता संरक्षण के संबंध में विभिन्न और विभिन्न उपभोक्ता मंचों के कार्यों में परिचित कराना। • साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। • साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। • साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। • साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। • साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। • साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। • साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। • साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। • साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। • साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। • साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। • साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। • साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के संवालन संबंधी नियम एवं राजकीय नियंवण की पृष्ठभूमिं भारतीय अनुबंध अर्वावध के आवश्यक लक्षण, अनुबंध के प्रकार, ठहराव-प्रस्ताव एवं स्वीकृति वैध अनुबंध के आवश्यक लक्षण, अनुबंधों की समामि, अनुबंध भंग के परिणाम। • गतिविधि - अनुबंध पत्र तैयार करना - जैसे- लीजिंग एग्रीमेंट, पार्टनरिशप एग्रीमेंट, या एनडीए (नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट)। - इससे विद्यार्थिओं को कानूनी भाषा और	2		व्यावसायिक सन्नियम		
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम (क्र्य्य) • छात्रों को सामान्य व्यावसायिक कानून के मुद्दों का व्यावहारिक कानूनी जान प्राप्त होगा । • एक वैध अनुबंध के आवश्यक तत्वोंए अधिनियम के प्रतिफल और अनुबंध के निर्वहन के विभिन्न तरीकों को समझ • माल की बिक्री और विक्री अनुबंध के निर्पादन तथा उपचारात्मक उपभोक्ता संरक्षण के संबंध में विभिन्न कानूनों कीव्याख्या • छात्रों को भारत में उपभोक्ता संरक्षण के संबंध में विभिन्न कानूनों कीव्याख्या • छात्रों को भारत में उपभोक्ता संरक्षण के संबंध में विभिन्न कानूनों • साइवर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। • साइवर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। • कुल अंक • अधिकतम अंकः 30+70, न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः 35 कुल व्याख्यानों की संख्या 90 भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु इकाई विषय भारतीय प्राचीन परंपरा में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन संबंधी नियम एवं राजकीय नियंत्रण की पृष्ठभूमि भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 : अनुबंध, अनुबंध के प्रकार, ठहराव-प्रस्ताव एवं स्वीकृति वैध अनुबंध के आवश्यक लक्षण, अनुबंधों की समाप्ति, अनुबंध भंग के परिणाम। गतिविधि - अनुबंध पत्र तैयार करना - जैसे- लीजिंग एग्रीमेंट, पार्टनरिशप एग्रीमेंट, या एनडीए (तॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट)। - इससे विद्यार्थिओं को कानूनी भाषा और	3		मेजर -III		
अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम (ब्र्न्य) • छात्रों को सामान्य व्यावसायिक कानून के मुद्दों का व्यावहारिक कानूनी ज्ञान प्राप्त होगा । • एक वैध अनुबंध के आवश्यक तत्वोंए अधिनियम के प्रतिफल और अनुबंध के तिर्वहन के विभिन्न तरीकों को समझ • माल की विक्री और विक्री अनुबंध के निर्पादन तथा उपचारात्मक उपायों के संबंध में विभिन्न कानूनों किव्याख्या • छात्रों को भारत में उपभोक्ता संस्थ्रण के संबंध में विभिन्न कराना। • साइबर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ समझना। • कुल अंक विषय भारतीय प्राचीन परंपरा में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन संबंधी नियम एवं राजकीय नियंत्रण की पृष्ठभूमि भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 : अनुबंध, अनुबंध के प्रकार, ठहराब-प्रस्ताव एवं स्वीकृति वैध अनुबंध के आवश्यक लक्षण, अनुबंधों की समाप्ति, अनुबंध भंग के परिणाम। गतिविधि - अनुबंध पत्र तैयार करना - जैसे- लीजिंग एग्रीमेंट, पार्टनरिशप एग्रीमेंट, या एनडीए (नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट)। - इससे विद्यार्थिओं को कानूनी भाषा और	4		वाणिज्य एवं विज्ञानं के विद्यार्थियों के लिए		
7 कुल अंक अधिकतम अंकः 30+70, न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः 35 कुल व्याख्यानों की संख्या 90 भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु विषय भारतीय प्राचीन परंपरा में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन संबंधी नियम एवं राजकीय नियंत्रण की पृष्ठभूमि भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 : अनुबंध, अनुबंध के प्रकार, ठहराव-प्रस्ताव एवं स्वीकृति वैध अनुबंध के आवश्यक लक्षण, अनुबंधों की समाप्ति, अनुबंध भंग के परिणाम। गतिविधि - अनुबंध पत्र तैयार करना - जैसे- लीजिंग एग्रीमेंट, पार्टनरिशप एग्रीमेंट, या एनडीए (नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट)। - इससे विद्यार्थिओं को कानूनी भाषा और	5	अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग	 छात्रों को सामान्य व्यावसायिक कानून के मुद्दों का व्यावहारिक कानूनी ज्ञान प्राप्त होगा एक वैध अनुबंध के आवश्यक तत्वोंए अधिनियम के नियमे प्रतिफल और अनुबंध के निर्वहन के विभिन्न तरीकों को समझना। माल की विक्री और विक्री अनुबंध के निष्पादन तथा उपचारात्मक उपायों के संबंध में विभिन्न कानूनों कीव्याख्या करना छात्रों को भारत में उपभोक्ता संरक्षण के संबंध में विभिन्न कानू और विभिन्न उपभोक्ता मंचों के कार्यों से परिचित कराना। साइवर कानूनों के संबंध में विभिन्न विधानों के अर्थ और अर्थ को 		
कुल व्याख्यानों की संख्या 90 भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु इकाई विषय भारतीय प्राचीन परंपरा में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन संबंधी नियम एवं राजकीय नियंत्रण की पृष्ठभूमि भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 : अनुबंध, अनुबंध के प्रकार, ठहराव-प्रस्ताव एवं स्वीकृति वैध अनुबंध के आवश्यक लक्षण, अनुबंधों की समाप्ति, अनुबंध भंग के परिणाम। गतिविधि - अनुबंध पत्र तैयार करना - जैसे- लीजिंग एग्रीमेंट, पार्टनरिशप एग्रीमेंट, या एनडीए (नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट)। - इससे विद्यार्थिओं को कानूनी भाषा और	6	क्रेडिट मान			
भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु इकाई विषय भारतीय प्राचीन परंपरा में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन संबंधी नियम एवं राजकीय नियंत्रण की पृष्ठभूमि भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 : अनुबंध, अनुबंध के प्रकार, ठहराव-प्रस्ताव एवं स्वीकृति वैध अनुबंध के आवश्यक लक्षण, अनुबंधों की समाप्ति, अनुबंध भंग के परिणाम। गतिविधि - अनुबंध पत्र तैयार करना - जैसे- लीजिंग एग्रीमेंट, पार्टनरिशप एग्रीमेंट, या एनडीए (नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट)। - इससे विद्यार्थिओं को कानूनी भाषा और	7	कुल अंक	अधिकतम अंकः 30+70, न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः 3	35	
भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु इकाई विषय भारतीय प्राचीन परंपरा में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन संबंधी नियम एवं राजकीय नियंत्रण की पृष्ठभूमि भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 : अनुबंध, अनुबंध के प्रकार, ठहराव-प्रस्ताव एवं स्वीकृति वैध अनुबंध के आवश्यक लक्षण, अनुबंधों की समाप्ति, अनुबंध भंग के परिणाम। गतिविधि - अनुबंध पत्र तैयार करना - जैसे- लीजिंग एग्रीमेंट, पार्टनरिशप एग्रीमेंट, या एनडीए (नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट)। - इससे विद्यार्थिओं को कानूनी भाषा और	-				
भारतीय प्राचीन परंपरा में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन संबंधी नियम एवं राजकीय नियंत्रण की पृष्ठभूमि भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 : अनुबंध, अनुबंध के प्रकार, ठहराव-प्रस्ताव एवं स्वीकृति वैध अनुबंध के आवश्यक लक्षण, अनुबंधों की समाप्ति, अनुबंध भंग के परिणाम। गतिविधि - अनुबंध पत्र तैयार करना - जैसे- लीजिंग एग्रीमेंट, पार्टनरिशप एग्रीमेंट, या एनडीए (नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट)। - इससे विद्यार्थिओं को कानूनी भाषा और		3		=	
राजकीय नियंत्रण की पृष्ठभूमि भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 : अनुबंध, अनुबंध के प्रकार, ठहराव-प्रस्ताव एवं स्वीकृति वैध अनुबंध के आवश्यक लक्षण, अनुबंधों की समाप्ति, अनुबंध भंग के परिणाम। गतिविधि - अनुबंध पत्र तैयार करना - जैसे- लीजिंग एग्रीमेंट, पार्टनरिशप एग्रीमेंट, या एनडीए (नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट)। - इससे विद्यार्थिओं को कानूनी भाषा और	इकाई	विषय		व्याख्या नों की संख्या	
p control for the transit of the tra	1	राजकीय नियंत्रण की पृष्ठभूमि भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 : अनुबंध, अनुबंध के प्रकार, ठहराव-प्रस्ताव एवं स्वीकृति वैध अनुबंध के आवश्यक लक्षण, अनुबंधों की समाप्ति, अनुबंध भंग के परिणाम। गतिविधि - अनुबंध पत्र तैयार करना - जैसे- लीजिंग एग्रीमेंट, पार्टनरिशप एग्रीमेंट, या एनडीए (नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट)। - इससे विद्यार्थिओं को कानूनी भाषा और			
2 भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872ः क्षतिपूर्ति तथा प्रतिभूति के अनुबंध: निक्षेप	2	9	AND AND AS AND CONTROL OF CONTROL	18	



	संबंधी अनुबंध, ग्रहणाधिकार के अनुबंध, गिरवी के अनुबंध, एजेन्सी अथवा अभिकरण	
	के अनुबंध।	
	गतिविधि -मॉक ट्रायल या मूट कोर्ट प्रतियोगिता- व्यावसायिक कानून मामलों पर	
	केंद्रित मॉक ट्रायल या मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन करें या उनमें भाग लें।	74
	इसमें प्रतिकात्मक कानूनी कार्यवाही में वकील, न्यायाधीश या गवाह के रूप में	
	भूमिका निभाना शामिल हो सकता है।	
	भारतीय प्राचीन परंपरा में विनिमय साध्य विलेखों का प्रचलन।	
	विनिमय साध्य विलेख अधिनियम 1881 का सामान्य परिचय तथा संशोधित	
3	विनिमय साध्य विलेख (संशोधन) अधिनियम 2002 का परिचय, भारतीय साझेदारी	18
	अधिनियम, 1932।	
	गतिविधि -कानूनी फर्मों या कॉर्पोरेट कानूनी विभागों का क्षेत्रीय भ्रमण ।	
	भारतीय प्राचीन व्यापार व्यवस्था में उपभोक्ता संरक्षण।	
	उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 एवं 2018, विदेशी विनिमय प्रबंध अधिनियम	
11	(फेमा) 2000	18
4	गतिविधि - केस स्टडी प्रतियोगिता-केस स्टडी प्रतियोगिताओं की मेज़बानी करें या	10
	उनमें भाग लें, जहाँ विद्यार्थी वास्तविक दुनिया के व्यावसायिक कानून की चुनौतियों	
	का विश्लेषण और समाधान प्रस्तुत करें I	
	प्रतिस्पर्धा अधिनियम 2002—परिचय अवधारणा, उद्देश्य, प्रमुख प्रावधान,	
5	भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग— गठन,शक्तियां एवं कार्य ।	18
	गतिविधि - व्यावसायिक कानून के विषयों पर वाद-विवाद /भाषण /परिचर्चा आदि	

भाग स- अनशंसित अध्ययन संसाधन

SN.	Author	Book title	Publisher city
1.	KapoorN.D	Business Law and Industrial Law	Sultan Chand and Sons New Delhi
2	KapoorN.D.	Business Law	S. Chand & Comp. Ltd. New Delhi
3	शर्मा जे.पी. एवं कनोजिया सुनेना	व्यावसायिक सन्नियम	हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय,
4	मिश्रा डॉ.पवन ,भदोरिया डॉ.बी.एम्.एस.	व्यावसायिक सन्नियम	विकास पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स नई दिल्ली
5	Sharma S.P.	Business Law	I.K. International Publishing House Pvt Ltd. Mumbai
6	Gupta Dr. O.P.	Business regulatory Framework	एसबीपीडी पब्लिकेशन ,आगरा
7	Varshney Dr. G.K.	Business regulatory Framework	Sahitya Bhawan Publication Agra
8	Agrawal R.C.	व्यावसायिक नियमन रुपरेखा	एसबीपीडी पब्लिकेशन आगरा
9	गंगेले अरुण कुमार एवं अग्रवाल बी.के.	व्यावसायिक सन्नियम	रामप्रसाद एंड संस भोपाल
10	शुक्ल डॉ.एस.एम्. और	व्यावसायिक सन्नियम	साहित्य भवन,आगरा



	सहाय		
11	व्यावसायिक सन्नियम	हिंदी ग्रन्थ अकादमी ,म.प्र. भोपाल	

अनुशंसित डिजिटल प्लेट फॉर्म वेबलिंक:

- 1. https://sdak24.com/tag/business-law-notes-hindi/#google_vignette
- 2. https://www.gkpad.com/20209bcom-books
- 3. https://www.geektonight.com/business-law-notes/
- 4. https://www.researchgate.net/publication/331979132_Text_Book_on_Business_Law

	भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधिय	
Suggested Continuous Eva	luation Methods:	
Maximum Marks : 100		- (UE) 70 L
Continuous Comprehensive	Evaluation (CCE): 30 marks University	
Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30 Marks.	Class Test/Assignment/Presentation /Quiz/Peer Teaching	30 Marks
External Assessment : University Exam Section: 70 Marks.	Section(A): Multiple Choice Questions Section (B): Short Questions Section (C): Long Questions	70 Marks

(PROF.PAVAN MISHRA)

Chairman

Central Board of Studies (Commerce)
Department of Higher Education Govt. of M.P.

		Part A – Introduction	2025 24
Program	nme Certificate	Class: B.COM. I Year Session:	2025-26
		Subject: COMMERCE (Business Law)	
1	Course Code		
2	Course Title	Business Laws	
3	Course Type	Major -III	
4	Pre-requisite	For Commerce and Science Students	
5	Course Learning Outcomes	 Upon successful completion of this course, the student will be able to: To provide the students with practical legal knowledge of general business law issues. To Understand the Essentials of A Valid Contract, The Laws Of The Act, Consideration And The Various Modes Of Discharge Of A Contract To Explain the Various Laws with Regard to The Sale of Goods and Performance of a Sale Contract and Remedial Measures, To Familiarize the Students with The Various Law with Regard to Consumer Protection in India And the Functions of Various Consumer Forums.t To Understand the Meaning and The Various Legislations with 	
6	Credit Value	Regard to The Cyber Laws	
	第一章上 ,每人。	Part B: Content of Course	
Total N	o. of Lectures (in hou	rs per week) – 3, Total Lectures : 90	
Unit	Topic		No. of Lectures
1	Background of rules and government control over the conduct of business activities in ancient Indian tradition Indian Contract Act 1872 (Samanyasniyam):- Contract, types of contracts, agreement-offer and acceptance, essential features of a valid contract, termination of contracts, consequences of breach of contract. Activity - Contract Drafting - Such as leasing agreement, partnership agreement, or NDA (Non-Disclosure Agreement) This will help students understand legal language and contracts		
2	Indian contract Act 1872 (specific laws): Contract of indemnity, contract of Guarantee, Contract of bailment, Contract of lien, Contract Of Pledge, Contract of Agency. Activity -Mock Trial or Moot Court Competition- Organize or participate in mock trial or moot court competitions focused on business law matters. This may involve role-playing as a lawyer, judge, or witness in simulated legal proceedings.		
	Prevalence of Negotiable instrument in ancient Indian tradition. Negotiable instrument Act-1881- General Introduction and Negotiable instrument (amendment) Act-2002. Indian Partnership Act 1932. Activity -Field visits to law firms or corporate legal departments.		



4	Consumer protection in India's ancient trade system. Consumer protection Act- 1986 and 2018The foreign exchange management Act-2000 (FEMA) Activity - Case Study Competition -Host or participate in case study competitions where students analyze and present solutions to real-world business law challenges.	18
44	Competition Act 2002–Introduction, concept, objectives, major provisions,	
5	Competition Commission of India—composition, powers and functions. Activity - Debate/Lecture/Discussion etc. on commercial law issues	18

Part C learning Resources

Business Law and Industrial Law Sultan chand and sons New Delhi KapoorN.D 1. New Delhi KapoorN.D. **Business Law** S. Chand & compny Ltd. 3शर्मा जेपीएवं कनोजिया सुनेनाव्यावसायिक सन्नियमहिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय दिल्लविश्वविद्यालय .New Delhi I.K. International Publishing House Pvt. Ltd Mumbai Business Law 4Sharma S.P. एसबीपीडीपब्लिकेशनआगरा Business regulatory Framework 5Gupta Dr. O.P. Varshney Dr. G.K.Business regulatory FrameworkSahityBhawan Publication व्यावसायिक सन्नियमSahity Bhawan Publication 7शुक्ल डॉएसएम्और सहाय डॉएसपी Agra 8गंगेले अरुण कुमार एवं अग्रवाल बीकेव्यावसायिक सन्नियम रामप्रसाद एंड संस भोपाल

Suggestive digital platforms, web links:

- 1. https://sdak24.com/tag/business-law-notes-hindi/#google_vignette
- 2. https://www.gkpad.com/bcom-books
- 3. https://www.geektonight.com/business-law-notes/
- 4.https://www.researchgate.net/publication/ Text Book on Business Law

P:	art D-Assessment and Evaluati	on
Suggested Continuous Evalu Maximum Marks : 100 Continuous Comprehensive Eval	uation Methods:	(UE) 70 marks
Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30 Marks.	Class Test Assignment/Presentation /Quiz/Peer Teaching	30 Marks
External Assessment : University Exam Section: 70 Marks.	Section(A): Multiple Choice Questions Section (B): Short Questions Section (C): Long Questions	70 Marks

(PROF.PAVAN MISHRA)

Chairman

Central Board of Studies (Commerce)
Department of Higher Education Govt. of M.P.